Romans 1:18-2:4

रोमियो १:१८ -२:४

Justice and Mercy Kiss
इंसाफ और करुणा का मिलाप

Bryan Chapell
ब्रायन चैपल

09.03.17
०९.०३.१७

Introduction: Angry Softball Coach
प्रस्तावना :क्रोधित सॉफ्ट बॉल के प्रशिक्षक

Key Question: Is God's wrath just, or is it just petty rage?
मुख्य सवाल: परमेश्वर का क्रोध जायज है या सिर्फ रोष है

Key Thought: We must understand God's wrath to trust His heart.
मुख्य विचार: परमेश्वर पर भरोसा करने के लिए परमेश्वर का क्रोध समझना ज़रूरी है

I. The Basis of God's judgment: Suppression of Truth (v1:18)
परमेश्वर के निर्णय का आधार : जो सत्य को अधर्म से दबाए रखते हैं (व् १:१८)

a. Explanation: Suppression hides salvation (v1:16-17)
स्पष्टीकरण : दबाव उद्धार को छिपाता है (१:१६-१७)

b. Objection: What if I don't know about God's truth?
आक्षेप: अगर में परमेश्वर की सच्चाई के बारे में नहीं जानता तब क्या ?

Paul's Answer:
पौलुस का उत्तर:

1. God's truth is plain through general revelation (v1:19-20)
परमेश्वर का सत्य जो हमें प्रत्यक्ष दिखता है इसमें ज़ाहिर है

2. General revelation reveals God's power and nature (v1:20)
परमेश्वर हमें अपना अंश उनकी शक्ति और क़ुदरत में प्रकट करते है (व् १:२०)

c. Evasion: worshiping creature over creator (v1:21-23)
अस्पष्ट कथन: सर्जनहार की वजह सृजन की उपासना करना (व् १:१६-१७)

d. Consequences:
परिणाम

1. Impure Lusts
नीच कामनाओं
2. Dishonorable Passions

लज्जाजनक वासना

3. Debased Mind
भ्रष्ट दिमाग

II. The baselessness of human judgement
मनुष्य के निर्णय की निर्मूलता

a. We all have no human excuse (v2:1)
हमारे जैसे मनुष्य के पास कोई बहाना नहीं है (व् २:१)

b. We all have no human escape (v2:2-3)
हमारे जैसे मनुष्य के पास कोई निकास नहीं है (व् २:२-३)

III. The purpose of God's kindness
परमेश्वर की दया का उद्देश्य

a. Not a presume upon God's patience (2:4a)
परमेश्वर की धीरज का अनुमान नहीं लगा के (२:४ ऐ)

b. But to repent because of God's kindness (2:4b)
पर परमेश्वर की दया के लिए पश्चाताप करना (२:४ बी)